रणजीत टाइम्स

इंदौर

गुरुवार, 18 दिसम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 310 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

प्रधानमंत्री मोदी को मिला इथियोपिया का सर्वोच्च सम्मान

● यह सम्मान पाने वाले वह दुनिया के पहले ग्लोबल लीडर

इथियोपिया की संसद में मोदी ने कहा-यह शेरों की धरती

अदीस अबाबा (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को इथियोपिया की संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। यह दुनिया की 18वीं संसद है, जहां प्रधानमंत्री मोदी ने भाषण दिया। मोदी ने कहा कि मुझे इथियोपिया आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यह शेरों की धरती है। यहां मुझे अपने घर जैसा महसूस हो रहा है, क्योंकि मेरा गृहराज्य गुजरात भी शेरों की धरती है। इससे पहले इथियोपिया के पीएम अबी अहमद अली ने मंगलवार को मोदी को देश का सर्वोच्च सम्मान दिया था। वे 'द ग्रेट ऑनर निशां ऑफ इथियोपिया' पाने वाले पहले ग्लोबल लीडर बने। इस मौके पर पीएम ने कहा कि ये सम्मान मेरे लिए गौरव की बात है। मोदी मंगलवार को ही इथियोपिया पहुंचे थे। यह उनका पहला दौरा है। पीएम अबी अहमद अली ने नेशलन पैलेस में उनका औपचारिक स्वागत किया। इस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय बैठक भी की। मोदी ने कहा, कोविड-19 के दौरान भारत ने 150 से अधिक देशों को दवाएं और टीके भेजे। इथियोपिया को 40 लाख से अधिक टीके की खुराक की आपूर्ति करना भारत के लिए गर्व की बात थी।

मोदी बोले- भारत डिजिटल सुविधाओं में आगे

मोदी ने कहा, भारत में हमने अपना पब्लिक डिजिटल इंफ्रास्ट्रचर बनाया है। यह लोगों तक सरकारी सेवाओं की पहुंचने के तरीके में बदलाव लेकर आया है। आज भारत में लगभग हर आदमी पेमेंट, पहचान, सरकारी सुविधा के लिए डिजिटल तरीकों का इस्तेमाल कर रहा है। दुनिया के आधे से ज्यादा डिजिटल पेमेंट भारत में हो रहे हैं। मोदी ने कहा,भारतीय कंपनियां इथियोपिया में सबसे बड़े इंवेस्टर्स में से हैं। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में 5 अरब डॉलर (45 हजार करोड़ रुपए) से अधिक का निवेश किया है। 75,000 से अधिक रोजगार पैदा किए हैं। हमने भारत-इथियोपिया द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने का निर्णय लिया है। मोदी ने कहा-भारत और इथियोपिया जलवायु और भावना दोनों में एक दूसरे के साथ विचार साझा करते हैं। लगभग 2000 साल पहले, हमारे पूर्वजों ने संबंध स्थापित किए थे। हिंद महासागर के पार व्यापारी मसालों और सोने का व्यापार करते थे, लेकिन वे केवल वस्तुओं का ही व्यापार नहीं करते थे, वे विचारों और जीवन शैली का भी आदान-प्रदान करते थे।

इथियोपिया दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक

पीएम मोदी ने इथियोपियाई प्रधानमंत्री अबी अहमद अली को इथियोपिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रेट ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि वे यह सम्मान भारत के लोगों की ओर से स्वीकार करते हैं। इथियोपिया को दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इसका इतिहास इसके पहाड़ों, घाटियों और लोगों के दिलों में जीवित है। मोदी ने कहा, भारत का राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' और इथियोपिया का राष्ट्रगान दोनों में हमारी धरती को मां के रूप में देखा गया है। ये हमें अपनी विरासत, संस्कृति और सुंदरता पर गर्व करना सिखाते हैं और मातृभूमि की रक्षा के लिए प्रेरित करते हैं। पीएम मोदी ने 1.4 अरब भारतीयों की ओर से इथियोपिया को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इथियोपिया की संसद, वहां के लोगों और उनकी लोकतांत्रिक यात्रा के लिए सम्मान जताया। मोदी ने कहा कि जब लोगों की चाहत और सरकार की सोच एक जैसी होती है, और दोनों मिलकर आगे बढ़ते हैं, तो देश विकास के रास्ते पर उम्मीद और लक्ष्य के साथ तेजी से आगे बढ़ता है।

इथियोपिया का दूसरा बड़ा ट्रेड पार्टनर भारत

भारत, इथियोपिया का दूसरा बड़ा ट्रेड पार्टनर है। दोनों देशों के बीच 2023-24 में 5175 करोड़ रुपए का ट्रेड हुआ। इस दौरान भारत ने 4433 करोड़ रुपए और इथियोपिया ने 742 करोड़ रुपए का निर्यात किया। इथियोपिया, भारत से लोहा, स्टील, मेडिसन और फार्मास्युटिकल्स, मशीनरी और उपकरण आयात करता है। वहीं भारत, इथियोपिया से दालें, कीमती पत्थर, सब्जियां और बीज, चमड़ा और मसाले आयात करता है। भारत और इथियोपिया के बीच व्यापारिक रिश्तों की शुरुआत 1940 के दशक में हुई थी। आजादी से पहले ही दोनों के बीच कारोबार शुरू हो गया था।

कबड्डी प्लेयर की हत्या में शामिल आरोपी का एनकाउंटर

● मोहाली में 2 पुलिसकर्मी भी घायल, भेजी जा रही थी धमकी

मोहाली (एजेंसी)। पंजाब के मोहाली में कबड्डी प्लेयर व प्रमोटर राणा बलाचौरिया की हत्या में शामिल एक आरोपी का पुलिस ने एनकाउंटर कर दिया है। मोहाली के लालडू में पुलिस ने जाल बिछाकर आरोपी हरपिंदर उर्फ मिड्डू का एनकाउंटर किया। गोली लगने से घायल हुए मिड्डू का फिलहाल अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं इस मामले में आज सुबह ही दो शूटरों आदित्य कपूर और करण पाठक की फोटो सामने आई थी, जिन्होंने परफेक्ट प्लानिंग से बलाचौरिया का कत्ल किया था। हत्याकांड में इन शूटरों के अलावा टूर्नामेंट से राणा के बारे में पल-पल की रेकी और मुखबिरी करने वाले और लोग भी शामिल हैं। इनकी पहचान में पुलिस जुटी हुई है।

फैन बनकर करीब पहुंचे, पॉइंट ब्लैंक से गोली मारी

इसके बाद शूटर फैन बनकर राणा बलाचौरिया के करीब पहुंचे। उन्होंने सेल्फी लेने की रिक्वेस्ट की। कबड्डी का माहौल था तो फैन समझकर राणा ने इनकार नहीं किया। इसके बाद वह सेल्फी लेने लगे और उसी वक्त बिल्कुल करीब से या सटाकर राणा के सिर में गोली मार दी। राणा नीचे गिर पड़े तो शूटर वहां से बाइक में बैठकर फरार हो गए। पुलिस जांच में यह भी पता चला कि गोली लगते ही वहां हड़कंप मच गया। रोपड़ का एक युवक करीब पहुंचा तो शूटरों ने फायरिंग कर दी। जब लोग करीब जाने लगे तो फिर फायरिंग की। टूर्नामेंट में भीड़ थी, उनका मकसद ये था कि राणा को जल्दी अस्पताल न पहुंचा सकें।

8वां वेतन आयोगः 1 जनवरी 2026 से मिलेगा एरियर या करना होगा इंतजार, सैलरी बढ़ोतरी को लेकर क्या कहते हैं संकेत

फिलहाल 1 जनवरी 2026 को एक संभावित तारीख माना जा रहा है

लेकिन सरकार की ओर से अब तक इसे लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। इसी वजह से कर्मचारियों और पेंशनर्स के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान जब आठवें वेतन आयोग को लेकर सवाल पूछा गया, तो वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने जवाब दिया कि सरकार 8वें वेतन आयोग को लागू करने की तारीख उचित समय पर तय करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि आयोग की सिफारिशें आने और उन्हें स्वीकार किए जाने के बाद बजट में जरूरी प्रावधान किए जाएंगे। हालांकि इस बयान से यह साफ हो गया कि प्रक्रिया आगे बढ़ रही है, लेकिन एरियर 1 जनवरी 2026 से मिलेगा या नहीं, इस पर सरकार ने अभी कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया है।

दरअसल सरकार ने 3 नवंबर 2025 को आठवें वेतन आयोग के टर्म्स ऑफ रेफरेंस को मंजूरी दी थी और आयोग को अपनी रिपोर्ट देने के लिए 18 महीने का समय दिया गया है। इस आधार पर माना जा रहा है कि आयोग की रिपोर्ट 2027 के मध्य तक आ सकती है। इसके बाद सरकार रिपोर्ट की समीक्षा करेगी, फिर कैबिनेट से मंजूरी ली जाएगी और नए वेतन ढांचे का नोटिफिकेशन जारी होगा। इस पूरी प्रक्रिया में रिपोर्ट आने के बाद भी 3 से 6 महीने का वक्त लग सकता है। ऐसे में व्यावहारिक रूप से वेतन आयोग के लागू होने में देरी संभव है। हालांकि, पिछले वेतन आयोगों का अनुभव कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए उम्मीद जगाने वाला रहा है। 7वां वेतन आयोग जून 2016 में लागू हुआ था, लेकिन सैलरी और पेंशन 1 जनवरी 2016 से एरियर के साथ दी गई थी। इसी तरह 6वें वेतन आयोग को अगस्त 2008 में मंजूरी मिली थी, लेकिन उसका एरियर 1 जनवरी 2006 से दिया गया। 5वें वेतन आयोग में भी यही व्यवस्था देखने को मिली थी। इन्हीं अनुभवों के आधार पर यह माना जा रहा है कि अगर 8वां वेतन आयोग लागू होने में देर भी करता है, तो उसका एरियर 1 जनवरी 2026 से दिया जा सकता है।

जहां तक सैलरी बढ़ोतरी की बात है, यह पूरी तरह फिटमेंट फैक्टर पर निर्भर करेगी। अगर फिटमेंट फैक्टर 2.0 माना जाता है, तो कर्मचारियों की सैलरी में अच्छा इजाफा हो सकता है। उदाहरण के तौर पर अगर किसी कर्मचारी की मौजूदा बेसिक सैलरी 76,500 रुपये है, डीए 44,370 रुपये और एचआरए 22,950 रुपये है, तो कुल वेतन 1,43,820 रुपये बनता है।

विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने विभिन्न मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

महू अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने विश्वविद्यालय से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर किया प्रदर्शन विश्वविद्यालय परिसर में स्थित संकाय भवन, मुख्य भवन में जो कक्ष है वो जर्जर हो गए हैं, कभी भी कोई हादसा हो सकता है, खिड़की, दरवाजे टूटे हुए है, दिवालों का रंग काला हो गया है, अभाविप विश्वविद्यालय प्रशासन से 7 दिवस के अंदर मरम्मत कार्य शुरू करने की मांग करता है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा बार बार ज्ञापन के माध्यम से अवगत किया गया है कि फैकल्टी समय का पालन नहीं कर रही परंतु प्रशासन ने गैर जिम्मेदार फैकल्टीपर कोई भी कार्यवाही नहीं की अभाविप मांग करता है कि विश्वविद्यालय परिसर में स्थित बालक एवं बालिका छात्रावास में निवासरत सभी विद्यार्थियों के पुनः दस्तावेज सत्यापित किया जाए विद्यार्थी परिषद के पास साक्ष्य है कि इंदौर जिले के होने के बावजूद कुछ विद्यार्थियों को हॉस्टल में कक्ष दिया गया है अभाविप बार बार मांग कर चुका है कि विश्वविद्यालय परिसर बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश

निषेध किया जाए, एवं परिचय पत्र अनिवार्य किया जाए परंतु विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा लगातार इन विषयों पर लापरवाही बरती जा रही है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मांग करता है कि सभी विद्यार्थियों को आईडी कार्ड इशू करे जाए एवं सात दिवस के अंदर इस व्यवस्था को अनिवार्य रूप से लागू किया जाए।

विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग में लगातार अनियमिता हो रही हैं परीक्षा में देरी परिणाम में देरी एवं अन्य प्रकार की अनियमिताएं भी सामने आ रही है विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग है कि परीक्षा विभाग में परमानेंट सहायक कुल सचिव को प्रभार दिया जाए जो मांग पूर्व में भी की जांच की है, परंतु विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार लापरवाही करता दिखाई दे रहा है खेल गतिविधि के नाम पर प्रति वर्ष स्पोर्ट्स फीस ली जाती है परंतु परिसर में किसी भी प्रकार की खेल गतिविधि का आयोजन नहीं होता है ना ही विश्वविद्यालय के पास किसी भी प्रकार की खेल सामग्री है, विद्यार्थी परिषद मांग करता है कि विद्यार्थियों को इस माह से ही खेल सुविधा उपलब्ध कराई जाए.जिस भी विषय के परीक्षा परिणाम आना बाकी है उन विषयों के परिणाम घोषित किए जाए।

विद्यार्थी परिषद विश्वविद्यालय प्रशासन से चार्ट बनाने की मांग करता है जिससे यह ज्ञात हो जाए एवं निश्चित किया जा सके कि किसी भी कार्य को करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन में क्या प्रक्रिया एवं अवधि लगेगी।विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों से ली जाने वाली ग्रुप इंश्योरेंस फी 1815 प्रत्येक विद्यार्थी का विवरण विद्यार्थी परिषद को दिया जाए उसे शुल्क का किस कंपनी के माध्यम से प्रयोग किया जा रहा है। अतः अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद यह मांग करता है कि इन सभी बिंदुओं पर सप्ताह भर में कारवाही कर छात्र हित में उचित कदम उठाए जाएं अन्यथा विद्यार्थी परिषद उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की रहेगी।

मुख्य भाग-प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत आवेदन मार्च 2026 तक

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के क्रियान्वयन संबंधी प्रेसवार्ता सम्पन्न

शहडोल प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना जनजागरूकता हेतु प्रेस कॉन्फ्रेंस कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में आयोजित की गई। प्रेसवार्ता में इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड के जबलपुर हेड श्री समीर शुक्ला ने बताया कि पहले आओ पहले पाओ के आधार पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत मार्च 2026 तक आवेदन आमंत्रित किये गए है। उन्होंने बताया कि आवेदन नजदीकी एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप जाकर, ऑनलाइन pmuy.gov.in एवं नजदीकी सीएससी सेंटर के माध्यम से कर सकते है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लिए गरीब परिवारों की महिलाएँ, जिनके परिवार में पहले से कोई एलपीजी कनेक्शन न हो, आवेदक की पात्रता, वंचना, घोषणा पत्र के आधार पर तय की जाएगी और ज़िला उज्ज्वला समिति द्वारा सत्यापित की जाएगी। योजना के लिए ईकेवाईसी फॉर्म (फोटो सहित) (आवेदनसमस्त एलपीजी डिस्ट्रिब्यूटरशिप पर उपलब्ध है, निवास प्रमाण पीओए' (यदि आधार का निवास स्थान वर्तमान पते से अलग हो), परिवार संरचना दस्तावेज़ ' (राशन कार्ड/राज्य शासन दारा जारी प्रमाण पत्र, दस्तावेज़), आवेदक तथा परिवार के सभी वयस्क सदस्यों का आधार, बैंक खाता का विवरण, वंचना घोषणा पत्र, प्रवासी परिवारों के लिए पीओए और परिवार संरचना दस्तावेज़ हेतु स्व-घोषणा पत्र दस्तावेज आवश्यक है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 25 लाख अतिरिक्त निः शुल्क एलपीजी कनेक्शन स्वीकृत किए हैं। इस निर्णय से आर्थिक रूप से कमज़ोर परिवारों की महिलाओं को स्वच्छ, सुरक्षित और किफायती रसोई ईंधन उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता और सशक्त होती है। प्रेसवार्ता में इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड मैनेजर श्री नवीन बिसेन, जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक श्री विपिन पटेल सहित प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के संवाददाता उपस्थित रहें।

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स धारक, आई बी डब्ल्यू 2026 में विशेष रूप से आमंत्रित, प्रदेश के लिए गौरव

दिव्यानंद अर्गल

ग्वालियर :- बाधाओं को चुनौती देने वाले असाधारण एथलीट, पैरा-एम्प्युटी फुटबॉलर और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स धारक, प्रमोद धनेले, को उनके बहु-खेल कौशल और अदम्य भावना के कारण लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। उनके प्रेरणादायक सफर को देखते हुए, उन्हें इंडिया बाइक वीक (आई बी डब्ल्यू) 2026 के आयोजकों द्वारा विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। धनेले, मध्य प्रदेश से इस इवेंट में भाग लेने वाले पहले पैरा-एम्प्युटी राइडर बनकर इतिहास रचने के लिए तैयार हैं। आई बी डब्ल्यू 2026 का भव्य आयोजन पंचगनी, महाराष्ट्र के दुबाश एयरफ़ील्ड में होगा।

प्रतिबद्धता और उपलब्धियों का सफर

एक गंभीर दुर्घटना में अपना पैर खोने के बावजूद, प्रमोद धनेले ने हार नहीं मानी। फुटबॉल के राष्ट्रीय गौरव से लेकर योग की एकाग्रता और कार रैली की रफ्तार तक, उनकी उपलब्धियाँ असाधारण हैं।

प्रमुख उपलब्धियाँ

रिकॉर्ड ब्रेकिंग राइडः इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के तहत कन्याकुमारी से कश्मीर तक 4320 किलोमीटर की ऐतिहासिक 'दिव्यांग सशक्तीकरण खेल यात्रा' सफलतापूर्वक पूरी की। पैरा-एम्प्युटी फुटबॉलः उन्होंने नेशनल चैंपियनशिप 2024 में रजत पदक और 2025 में स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर गौरव प्राप्त किया। पैरा योगासन मे स्टेट चैंपियनशिप में कांस्य पदक प्राप्त किया। सितंबर 2025 में दिल्ली में आयोजित नेशनल चैंपियनशिप में 11वीं रैंक हासिल की। मोटरस्पोर्ट्स (कार रैली) द आगरा ताज कार रैली (फरवरी 2025) में भाग लिया और प्रभावशाली 8वीं पोजीशन प्राप्त की। आई बी डब्ल्यू 2026 में ऐतिहासिक भागीदारीः 'राइडिंग स्पिरिट' का सम्मान इंडिया बाइक वीक (आई बी डब्ल्यू) एशिया का सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित मोटरबाइक फेस्टिवल है, जो गति, साहस और सामुदायिक भावना का प्रतीक है। आयोजकों द्वारा श्री धनेले को दिया गया विशेष आमंत्रण, उनकी 'राइडिंग स्पिरिट' और लाखों लोगों को प्रेरित करने की उनकी क्षमता को मान्यता देता है। प्रमोद धनेले ने आई बी डब्ल्यू में अपनी भागीदारी पर कहाः "आई बी डब्ल्यू सिर्फ बाइकर्स का जमावड़ा नहीं है, यह स्वतंत्रता और अदम्य भावना का उत्सव है। मध्य प्रदेश से पहला पैरा-एम्प्युटी राइडर बनकर इस मंच पर आना मेरे लिए सम्मान की बात है। मेरा उद्देश्य आई बी डब्ल्यू के माध्यम से यह साबित करना है कि अगर इरादे मजबूत हों, तो कोई भी भौतिक बाधा आपके सपनों को रोक नहीं सकती। यह आमंत्रण दर्शाता है कि राइडिंग समुदाय दिव्यांगता नहीं, बल्कि जुनून देखता है।" धनेले की यह ऐतिहासिक भागीदारी, दिव्यांग सशक्तीकरण के उनके मिशन को नई गति देगी।

रणजीत टाइम्स
इंदौर
03
इंदौर, गुरुवार 18 दिसम्बर 2025

सेवा और संवेदनशीलता की मिसाल बने जयेन्द्र सिंह धालीवाल

सर्वहारा नगर में मानवता के अभियान को दी मजबूत दिशा

योगेश शाक्यवार (अक्षत)

इंदौर। जब समाज पर संकट आता है, तब कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो हालात से मुंह मोड़ने के बजाय आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभाते हैं और दूसरों के लिए मिसाल बन जाते हैं। सर्वहारा नगर में अनिका शर्मा की मदद के लिए चलाए गए मानवीय सहयोग अभियान में यूथ कांग्रेस विधानसभा क्षेत्र 2 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 23, 24, 25 और 26 के ब्लॉक अध्यक्ष जयेन्द्र सिंह धालीवाल ने जिस संवेदनशीलता, नेतृत्व और समर्पण के साथ भूमिका निभाई, उसने उन्हें क्षेत्र में मानवता का मजबूत चेहरा बना दिया। उनके साथ सर्वहारा नगर के जागरूक रहवासियों और साथियों ने कंधे से कंधा मिलाकर इस अभियान को सफल बनाया। जैसे ही अनिका शर्मा की गंभीर स्थिति की जानकारी मिली, जयेन्द्र सिंह धालीवाल ने बिना किसी औपचारिकता के अपने साथियों और क्षेत्र के युवाओं से संवाद शुरू किया और तत्काल सहायता अभियान को संगठित रूप दिया। उन्होंने युवाओं को एक मंच पर जोड़ते हुए यह भावना पैदा की कि यह संघर्ष किसी एक परिवार का नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। उनके नेतृत्व में युवाओं ने आपसी सहयोग से चंदा एकत्र किया और जरूरतमंद परिवार तक सहायता पहुंचाई, जिससे यह संदेश गया कि समाज आज भी संवेदनशील और जागरूक है।

इस अभियान में सर्वहारा नगर के स्थानीय रहवासी और अधिवक्ता प्रवीण सोनोटिया, युवा साथी शुभम गुप्ता, राज माठे, बंटी, दक्ष सहित अनेक नगरवासी लगातार साथ बने रहे। सभी ने अपने-अपने स्तर पर सहयोग करते हुए समय, संसाधन और भावनात्मक संबल प्रदान किया। प्रवीण सोनोटिया ने कहा कि इस तरह की पहल समाज को जोड़ने का काम करती है और जरूरतमंद परिवार को यह भरोसा देती है कि वे अकेले नहीं हैं। वहीं शुभम गुप्ता और राज माठे ने कहा कि जयेन्द्र सिंह धालीवाल के नेतृत्व में युवाओं को एक सकारात्मक दिशा मिली और सभी ने पूरे मन से इस मानवीय प्रयास में भाग लिया।

जयेन्द्र सिंह धालीवाल ने कहा

»» समाज में रहने का असली अर्थ तभी है, जब हम एक-दूसरे के दुख-दर्द को समझें और संकट की घड़ी में बिना किसी स्वार्थ के साथ खड़े हों।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह पहल केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस भरोसे और आत्मबल का प्रतीक है, जो समाज एक जरूरतमंद परिवार को देता है। उनके विचारों और व्यवहार ने युवाओं के साथ-साथ छोटे बच्चों में भी सेवा और संवेदनशीलता के संस्कार मजबूत किए।

स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है

»» जयेन्द्र सिंह धालीवाल की भूमिका केवल एक संगठनात्मक पद तक सीमित नहीं रही, बल्कि उन्होंने एक मार्गदर्शक की तरह युवाओं और नगरवासियों को प्रेरित किया। उनके संयम, संवाद क्षमता और सकारात्मक सोच के चलते यह अभियान सफल हो सका। साथियों और नगरवासियों की एकजुटता ने यह साबित कर दिया कि जब नेतृत्व सही दिशा देता है, तो समाज मिलकर हर कठिन परिस्थिति का सामना कर सकता है।

सर्वहारा नगर के रहवासियों ने जयेन्द्र सिंह धालीवाल सहित सभी साथियों प्रवीण सोनोटिया, शुभम गुप्ता, राज माठे, बंटी, दक्ष और अन्य नगरवासियों की खुले दिल से सराहना की। लोगों का कहना है कि इस मानवीय प्रयास से न केवल अनिका शर्मा और उनके परिवार को राहत मिली, बल्कि पूरे क्षेत्र में इंसानियत, भाईचारे और सामाजिक जिम्मेदारी का मजबूत संदेश भी गया। यह पहल आने वाले समय में समाज के लिए प्रेरणा बनकर याद रखी जाएगी।

डॉ. रामविलास वेदांती महाराज विंध्य क्षेत्र के गौरवः उप मुख्यमंत्री

भोपाल।उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने पूर्व लोकसभा सदस्य सुविख्यात संत डॉ. रामविलास वेदांती महाराज को श्रद्धांजलि दी। विधानसभा के विशेष सत्र में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि वेदांती जी महाराज विंध्य क्षेत्र के गौरव थे। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि ईश्वर ने उनको विशेष प्रयोजन के लिये इस धरती पर भेजा था। मात्र 12 वर्ष की उर्म में वह अयोध्या गये, वहां पर हनुमान गढ़ी के संत अभिरामदास जी महाराज जी के वह शिष्य बने।

नेशनल हेराल्ड प्रकरण में ED के दुरुपयोग के खिलाफ कांग्रेस का जोरदार विरोध प्रदर्शन

भाजपा मुख्यालय घेराव से पहले कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी

भोपाल। भाजपा सरकार द्वारा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का दुरुपयोग करते हुए कांग्रेस की वरिष्ठ नेता आदरणीय श्रीमती सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी के विरुद्ध की गई कार्रवाई को माननीय न्यायालय द्वारा अवैध एवं दुर्भावनापूर्ण करार दिए जाने के विरोध में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदेश कांग्रेस कार्यालय से भाजपा मुख्यालय के घेराव हेतु रवाना हुए। किंतु रास्ते में ही प्रशासन द्वारा बैरिकेडिंग कर जलकैनन की सहायता से प्रदर्शनकारियों को रोका गया तथा कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को बसों में भरकर गिरफ्तार कर लिया गया। इस विरोध

प्रदर्शन में अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा, मीडिया विभाग अध्यक्ष मुकेश नायक, महिला कांग्रेस की अध्यक्ष श्रीमति रीना बोरासी सेतिया, पूर्व महिला कांग्रेस की अध्यक्ष श्रीमति विभा पटेल, सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव, पूर्व मीडिया विभाग अध्यक्ष मानक अग्रवाल, वरिष्ठ नेता जे.पी.धनोपिया, गोविंद गोयल, प्रशिक्षण विभाग के प्रभारी महेंद्र जोशी, पूर्व महामंत्री हैदर खान, भोपाल शहर के पूर्व जिला अध्यक्ष अरुण श्रीवास्तव, अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार, भोपाल शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना एवं जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनोखी पटेल, कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला, अमित शर्मा, रविन्द्र साहू, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। नेशनल हेराल्ड प्रकरण को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार की दमनकारी नीतियों और केंद्रीय एजेंसियों के राजनीतिक दुरुपयोग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए लोकतंत्र की रक्षा का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर जीतू पटवारी ने कहा, भाजपा झूठे मुकदमे लगाकर विपक्ष के नेताओं को बदनाम करने का षड्यंत्र कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी और ईडी का असली चेहरा आज देश के सामने बेनकाब हो चुका है। गांधी परिवार ने देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया है–शहादत भी दी है और संपत्ति भी। कांग्रेस पार्टी इन झूठे मामलों से डरने वाली नहीं है। हम जनजागरण करेंगे और भाजपा की सच्चाई को हर नागरिक तक पहुंचाएंगे। उन्होंने आगे कहा मुख्यमंत्री मोहन यादव जी, हम राहुल गांधी जी के बब्बर शेर हैं, आपकी लाठी और पानी की बौछार से डरने वाले नहीं। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र, संविधान और विपक्ष की आवाज को दबाने के हर प्रयास के खिलाफ कांग्रेस का संघर्ष लगातार जारी रहेगा।

कोई भाई अपनी बहन को बताकर हर काम नहीं करता', गांजा तस्करी में गिरफ्तारी पर बोलीं मंत्री प्रतिमा बागरी

भोपाल। गांजा तस्करी के मामले में सगे भाई की गिरफ्तारी को लेकर मंत्री प्रतिमा बागरी ने खुलकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। इससे पहले अनिल बागरी को भाई मानने से इनकार कर चुकीं मंत्री ने अब इस पूरे मामले में स्पष्ट रूप से कहा है कि कोई भी भाई अपनी बहन को बताकर हर काम नहीं करता है। मंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि उनकी ओर से जितनी कठोरता बरती जा सकती थी, वह बरती गई है। पुलिस प्रशासन अपना काम पूरी तरह से

कर रहा है और वह किसी भी तरह से जांच या कार्रवाई में कोई बाधा नहीं डाल रही हैं। उन्होंने साफ कहा कि उनकी तरफ से किसी प्रकार का कोई हस्तक्षेप नहीं है और जो भी गलत करेगा, उस पर कानून के अनुसार कार्रवाई होगी। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार में कानून सभी के लिए समान है। इस सरकार में सगे संबंधियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाती है और किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जाता। पूरी प्रक्रिया निष्पक्षता के साथ चल रही है और पुलिस को क्या करना है, यह कानून ही तय करता है।

ब्लॉक अध्यक्षों की घोषणा के बाद कांग्रेस में गुटबाजी खुलकर सामने आई

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस में संगठनात्मक नियुक्तियों को लेकर जारी खींचतान अब खुलकर सामने आने लगी है। सोमवार देर रात ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों की सूची जारी होने के बाद पार्टी के भीतर असंतोष और गुटबाजी के संकेत साफ दिखाई देने लगे हैं। इसका ताजा उदाहरण रतलाम से सामने आया है, जहां जिला कांग्रेस अध्यक्ष और सैलाना के पूर्व विधायक हर्षविजय गहलोत ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को भेज दिया है। हर्षविजय गहलोत ने इस्तीफे में सैलाना विधानसभा क्षेत्र में पर्याप्त समय नहीं दे पाने को औपचारिक कारण बताया है, लेकिन पार्टी के अंदरखाने इस फैसले की वजह कुछ और मानी जा रही है। कांग्रेस के भीतर यह चर्चा जोरों पर है कि ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों की नियुक्ति में जिला इकाई की राय और सूची को नजरअंदाज किया गया, जिससे नाराजगी गहराई। गहलोत के करीबी नेताओं का कहना है कि जिला कांग्रेस की ओर से जो नाम प्रस्तावित कर भेजे गए थे, उनकी जगह अलग सूची के आधार पर ब्लॉक अध्यक्षों की घोषणा कर दी गई। इसी कारण संगठन में असंतोष बढ़ा और बात इस्तीफे तक पहुंच गई। यह घटनाक्रम कांग्रेस संगठन में समन्वय की कमी और अंदरूनी मतभेदों की ओर इशारा करता है। गौरतलब है कि इससे पहले अलीराजपुर जिले में भी जिला कांग्रेस अध्यक्ष अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं। लगातार हो रहे इन इस्तीफों ने प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व के सामने संगठन को एकजुट रखने की चुनौती खड़ी कर दी है। ब्लॉक स्तर की नियुक्तियों को लेकर उठ रहे सवालों से यह साफ है कि आने वाले दिनों में पार्टी के भीतर सियासी हलचल और तेज हो सकती है।

मनरेगा का नाम बदलना गांधी विचारधारा पर प्रहार, कांग्रेस का सशक्त विरोध

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने विधायक दल के साथ भाजपा सरकार द्वारा मनरेगा जैसी ऐतिहासिक और जनकल्याणकारी योजना का नाम बदलकर विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) (VB-G RAM G/जी राम जी) किए जाने के निर्णय के विरुद्ध कांग्रेस विधायक दल ने विधानसभा परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष सशक्त और प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन दर्ज कराया। कांग्रेस विधायक दल ने स्पष्ट कहा कि मनरेगा केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि महात्मा गांधी जी के विचारों, ग्रामीण भारत के स्वाभिमान और रोजगार की संवैधानिक गारंटी का प्रतीक है। इसका नाम बदलना गांधीवादी सोच और ग्रामीण मजदूरों के अधिकारों पर सीधा प्रहार है। कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि वह जनहित से जुड़े मुद्दों–जैसे मनरेगा के तहत समय पर रोजगार, मजदूरी भुगतान, कार्य दिवसों की उपलब्धता और श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा–से ध्यान भटकाने के लिए केवल नाम बदलने की राजनीति कर रही है। सरकार को नाम बदलने के बजाय योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, ग्रामीण रोजगार की वास्तविक गारंटी और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा पर ध्यान देना चाहिए। कांग्रेस विधायक दल ने सवाल उठाया कि भाजपा सरकार गांधी जी के नाम और उनके विचारों से क्यों कतराती है? क्या यह गांधी विचारधारा से भय है या फिर उनके ऐतिहासिक योगदान के प्रति सम्मान की कमी? कांग्रेस ने दो टूक कहा कि यह फैसला मनमाना, जनविरोधी और राजनीतिक दिखावे से प्रेरित है। पार्टी इस निर्णय का हर स्तर पर विरोध करेगी और जनता की आवाज़ को सदन से लेकर सड़क तक पूरी मजबूती से उठाती रहेगी।

पराली जलाने पर जिला प्रशासन सख्त

17 किसानों पर 42 हजार रुपये का जुर्माना, सैटेलाइट निगरानी से पकड़े गए मामले

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में पराली जलाने की बढ़ती घटनाओं को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। धान की कटाई के बाद खेतों में पराली जलाने से हो रहे वायु प्रदूषण को रोकने के लिए प्रशासन ने सैटेलाइट इमेज के माध्यम से निगरानी बढ़ा दी है। जांच के बाद सामने आया कि जिले में बड़ी संख्या में खेतों में पराली जलाई गई है, जिसके चलते अब तक 17 किसानों पर कुल 42 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। प्रशासन की ओर से की गई सैटेलाइट जांच में जबलपुर जिले के 2400 से अधिक खेत काले दिखाई दिए, जो पराली जलाने की स्पष्ट पुष्टि करते हैं। इसके बाद संबंधित क्षेत्रों में मौके पर जांच कर प्रकरण दर्ज किए गए। अब तक 150 से ज्यादा मामलों में कार्रवाई की जा चुकी है, जिनमें से 17 किसानों पर आर्थिक दंड लगाया गया है और उनसे जुर्माने की राशि वसूली की जा रही है। जिला प्रशासन का कहना है कि पराली जलाने से न केवल मिट्टी की उर्वरता पर प्रतिकूल असर पड़ता है, बल्कि इससे निकलने वाला धुआं वायु प्रदूषण को भी गंभीर रूप से बढ़ाता है।

इसका सीधा असर शहर और आसपास के क्षेत्रों की हवा की गुणवत्ता पर पड़ रहा है, जिससे आम लोगों के स्वास्थ्य पर भी खतरा बढ़ रहा है। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे पराली जलाने के बजाय इसके वैकल्पिक और वैज्ञानिक तरीकों को अपनाएं।

पराली को बेलर मशीन के माध्यम से गट्ठरों में बदलकर पशु चारे या अन्य उपयोग में लाया जा सकता है, वहीं खेत में ही इसे खाद के रूप में उपयोग कर मिट्टी की उर्वरता भी बढ़ाई जा सकती है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी सैटेलाइट निगरानी के आधार पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

आग की घटना के बाद प्रशासन का सख्त एक्शन : अवैध पटाखा दुकान-गोदाम ध्वस्त, 10 हजार वर्ग फीट शासकीय भूमि मुक्त

इन्दौर। अवैध फटाखा दुकान-गोदाम में मंगलवार को लगी आग की घटना के बाद जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर मामले की गहन जांच कराई गई, जिसमें सामने आया कि संबंधित फटाखा दुकान-गोदाम शासकीय भूमि पर अवैध रूप से निर्मित था और लगभग 10,000 वर्ग फीट सरकारी भूमि पर कब्जा कर खतरनाक सामग्री का अवैध भंडारण किया जा रहा था। जांच के उपरांत बुधवार को कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर राजस्व विभाग की टीम द्वारा उक्त अवैध निर्माण को पूरी तरह ध्वस्त कर शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि इस प्रकार का अवैध कब्जा और विस्फोटक सामग्री का गैरकानूनी भंडारण जन-सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है, जिसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कलेक्टर वर्मा ने दोहराया कि जिले में अवैध गतिविधियों या सार्वजनिक सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं है और दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। प्रशासन द्वारा नागरिकों से भी अपील की गई है कि यदि कहीं अवैध भंडारण, अवैध फटाखा व्यापार या शासकीय भूमि पर अतिक्रमण की जानकारी हो, तो तत्काल प्रशासन को सूचित करें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। इस संबंध में एसडीएम सांवेर घनश्याम धनगर ने बताया कि मंगलवार को तहसील सांवेर के ग्राम पंचडेहरिया में आग लगने की सूचना प्राप्त होते ही प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की। सूचना मिलते ही एसडीएम सांवेर, तहसीलदार सांवेर एवं थाना प्रभारी सांवेर मौके पर पहुंचे और फायर ब्रिगेड की सहायता से आग पर काबू पाया गया। जांच में यह तथ्य सामने आया कि ग्राम पंचडेहरिया स्थित शासकीय रास्ता मद की भूमि (सर्वे नंबर 33) पर लगभग 10 हजार वर्ग फीट क्षेत्र में राहुल अग्रवाल, पिता रमेश चंद्र अग्रवाल, निवासी छोटा बांगड़दा, इन्दौर द्वारा अस्थायी शेड बनाकर पटाखों का अवैध भंडारण किया जा रहा था। बुधवार को एसडीएम सांवेर घनश्याम धनगर के निर्देशन में तहसीलदार पूनम तोमर के नेतृत्व में राजस्व टीम सांवेर द्वारा पुलिस बल की उपस्थिति में उक्त अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि जन-सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी इसी प्रकार कठोर कदम उठाए जाएंगे।

सज्जन सिंह वर्मा का भाजपा सरकार पर तीखा हमला, महापौर और मंत्रियों पर लगाए गंभीर आरोप

इंदौर। शहर में पूर्व पीडब्ल्यूडी मंत्री एवं कांग्रेस नेता सज्जन सिंह वर्मा ने बुधवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव, कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। वर्मा ने नगर विकास से लेकर भ्रष्टाचार, मतदाता सूची और केंद्र सरकार की नीतियों तक कई मुद्दों पर तीखी प्रतिक्रिया दी। सज्जन सिंह वर्मा ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव को एक्सीडेंटल महापौर बताते हुए कहा कि उन्हें साढ़े छह किलोमीटर लंबे एलिवेटेड ब्रिज की एबीसीडी तक की जानकारी नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि 288 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले एलिवेटेड ब्रिज को पहले भाजपा सरकार ने रद्द किया और बाद में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उसे मंजूरी

दे दी। वर्मा ने सवाल उठाया कि यदि यह ब्रिज पहले बन जाता तो किसी प्रकार का नुकसान नहीं होता, लेकिन अब इसके चलते करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार का रास्ता खोल दिया गया है। बीआरटीएस को लेकर उन्होंने कहा कि इसका निर्माण इस तरह किया गया कि बारिश के दौरान उसमें पानी भर जाता था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वर्तमान महापौर के कार्यकाल में स्विमिंग पूल घोटाला सामने आया है। वर्मा ने कहा कि वे लाठी उठाकर मारने नहीं जाएंगे, लेकिन जनता को सच्चाई समझनी होगी, क्योंकि पूरे शहर में सड़कों की खुदाई से आमजन परेशान है। एसआईआर सर्वे और मतदाता सूची के मुद्दे पर सज्जन सिंह वर्मा ने दावा किया कि इंदौर से करीब पांच लाख मतदाता गायब हो गए हैं। उन्होंने इस मामले में भाजपा और चुनाव आयोग पर नरेटिव सेट करने का आरोप लगाया। वर्मा ने बताया कि वे एसआईआर को लेकर भोपाल में राज्य निर्वाचन आयोग से मुलाकात कर चुके हैं और आवश्यकता पड़ने पर केंद्रीय चुनाव आयोग को भी इस विषय में अवगत कराया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने मनरेगा का नाम बदले जाने और रुपये की गिरती कीमतों को लेकर केंद्र सरकार पर भी कटाक्ष किया। अंत में उन्होंने समीक्षा बैठक में अधिकारियों द्वारा ÷चमकाए जाने÷ संबंधी बयान को लेकर कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और महापौर पुष्यमित्र भार्गव को चुनौती देते हुए कहा कि यदि उनमें नैतिक साहस है तो वे इस्तीफा देकर स्वतंत्र रूप से भाजपा सरकार का विरोध करके दिखाएं।

न्यू एमवाय हॉस्पिटल निर्माण में पेड़ बने बाधा, कटेंगे कितने और हटेंगे कितने—अब तक नहीं हुआ स्पष्ट

इन्दौर। बढ़ती आबादी के कारण मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है, वहीं पुराने एमवाय हॉस्पिटल के विकल्प के रूप में प्रस्तावित न्यू एमवाय हॉस्पिटल के निर्माण हेतु भूमि पूजन भी किया जा चुका है। बावजूद इसके, जिस भूमि पर नई अस्पताल इमारत का निर्माण प्रस्तावित है, वहां वर्षों से खड़े पेड़ अब तक बड़ी बाधा बने हुए हैं। इन पेड़ों में से कितने काटे जाएंगे, कितनों को विस्थापित किया जाएगा और इसके बदले कहां तथा कितने नए पेड़ लगाए जाएंगे—इस संबंध में अब तक कोई स्पष्ट निर्णय नहीं हो सका है। मेडिकल कॉलेज प्रशासन के अनुसार न्यू एमवाय हॉस्पिटल का निर्माण लगभग 8 एकड़ भूमि पर किया जाना है। इस भूमि पर विभिन्न प्रजातियों के वर्षों पुराने लगभग 119 पेड़ मौजूद हैं, जिनमें से 86 पेड़ों को हटाया जाना तय बताया जा रहा है। करीब दो माह पूर्व यह कहा गया था कि इस संबंध में नगर निगम को जानकारी दे दी गई है, ताकि यह तय किया जा सके कि कितने पेड़ों को काटा जाएगा और कितनों का ट्रांसप्लांट (विस्थापन) संभव है। हालांकि, अब तक नगर निगम की ओर से इस मामले में कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई है। नगर निगम का कहना है कि पहले पेड़ों की जियो-टैगिंग कराई जाए। इस विषय में जब सहायक उद्यान अधिकारी तेजप्रताप यादव से चर्चा की गई तो उन्होंने स्पष्ट किया कि जियो-टैगिंग को लेकर कोई निर्देश नहीं दिए गए हैं। उनके अनुसार, नगर निगम ने मेडिकल कॉलेज प्रशासन अथवा निर्माण एजेंसी से यह कहा है कि जिस इंजीनियर के पास निर्माण स्थल है, वह बाधक बन रहे सभी पेड़ों की प्रजाति के नाम, फोटो और क्रमांक सहित सूची उपलब्ध कराए, ताकि उस क्रमांकित सूची के आधार पर सर्वे कर यह निर्धारित किया जा सके कि कितने पेड़ काटने होंगे और कितने पेड़ों को ट्रांसप्लांट किया जा सकता है। सहायक उद्यान अधिकारी ने यह भी बताया कि अब तक मेडिकल कॉलेज प्रशासन या एमवाय हॉस्पिटल की ओर से नगर निगम को कोई ऐसी सूची या जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। जैसे ही यह जानकारी प्राप्त होगी, नगर निगम द्वारा सर्वे कराकर पेड़ों से संबंधित बाधा दूर करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। फिलहाल स्थिति यह है कि पेड़ों को लेकर निर्णय लंबित होने के कारण न्यू एमवाय हॉस्पिटल के निर्माण कार्य की शुरुआत पर संशय बना हुआ है। अब देखना यह होगा कि यह प्रक्रिया कब पूरी होती है और क्या इस धीमी गति के चलते तय समय सीमा में इन्दौर को नया अस्पताल मिल पाएगा या नहीं।

हातोद में जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, अवैध रूप से संग्रहित 100 किलो बारूद जब्त, बिना लाइसेंस बन रहे थे पटाखे

इन्दौर। जिला प्रशासन ने हातोद क्षेत्र में अवैध पटाखा निर्माण और विस्फोटक सामग्री के भंडारण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बिना लाइसेंस संग्रहित 100 किलो बारूद जब्त किया है। यह कार्रवाई कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) विनोद राठौर के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से पटाखे बना रहे संचालक राहुल अग्रवाल को गिरफ्तार किया गया, वहीं अवैध तरीके से बनाए गए गोदाम को प्रशासन द्वारा ध्वस्त कर दिया गया। इसी क्रम में कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में बिचौली हप्सी के ग्राम राजधरा स्थित सना फायर वर्क्स पटाखा इकाई पर राजस्व अमले द्वारा आकस्मिक निरीक्षण कर सख्त कार्रवाई की गई। निरीक्षण दल में एसडीएम अजय भूषण शुक्ला, नायब तहसीलदार, पटवारी एवं ग्राम कोटवार शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान पटाखा इकाई के संचालक अकरम मंसूरी मौके पर उपस्थित पाए गए। जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि पटाखा इकाई में निर्धारित सुरक्षा मानकों की गंभीर अनदेखी की जा रही थी। विशेष रूप से सुतली बम को असुरक्षित स्थान पर खुले में सुखाया जा रहा था, जिससे किसी भी समय गंभीर दुर्घटना की आशंका बनी हुई थी। निरीक्षण के उपरांत तत्काल कार्रवाई करते हुए संपूर्ण फटाखा इकाई को सील कर दिया गया तथा मौके पर विधिवत पंचनामा कार्यवाही भी संपन्न की गई। कलेक्टर शिवम वर्मा ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध एवं असुरक्षित गतिविधियों के विरुद्ध प्रशासन की कार्रवाई आगे भी इसी प्रकार निरंतर और सख्ती से जारी रहेगी, ताकि जनसुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता न हो।

ठंड और प्रदूषण का डबल अटैक

आज भी छाया रहेगा कोहरा

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के मौसम में पिछले दो दिनों की अपेक्षा सुधार देखा गया। मंगलवार को धुंध और कोहरे का असर कम रहा। इसके पीछे हवा की गति में बढोतरी को प्रमुख कारण माना गया है। राजधानी में मंगलवार दोपहर को कई इलाकों में तेज धूप देखी गई। बुधवार को भी दिल्ली का मौसम मुख्य रूप से साफ रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग के अनुसार सुबह के समय कई इलाकों में हल्का कोहरा छाया रह सकता है, जबकि कुछ स्थानों पर मध्यम कोहरा देखने को मिल सकता है। दिन चढ़ने के साथ ही कोहरे के छंटने और आसमान साफ रहने की संभावना है। बुधवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान लगभग 24 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है, जो सामान्य से थोड़ा अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान करीब 10 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान जताया गया है। राजधानी दिल्ली में लगातार तीन दिन गंभीर श्रेणी में रहने के बाद वायु गुणवत्ता सूचकांक में थोड़ा सुधार हुआ है। मंगलवार को राजधानी का औसत एक्यूआई गंभीर से बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गया। हवा की गति बढ़ने और सुबह स्मॉग में कमी होने के कारण प्रदूषण के स्तर में कमी दर्ज की गई। मंगलवार को दिल्ली के लगभग सभी केंद्रों पर प्रदूषण का स्तर बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। सोमवार को राजधानी का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 427 दर्ज किया गया था। मंगलवार को इसमें कमी आई और यह 354 अंक पर पहुंच गया।

दहेज उत्पीड़न-हत्या मामले में पूर्व जज का परिवार बरी

12 साल बाद सीबीआई कोर्ट ने दी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। पंचकूला की विशेष सीबीआई अदालत ने मंगलवार को बड़ा फैसला सुनाया। गुरुग्राम के पूर्व चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट रवनीत गर्ग, उनके रिटायर्ड सेशंस जज पिता केके गर्ग और मां रचना गर्ग को 2013 के दहेज मौत मामले में बरी कर दिया गया। यह मुकदमा 12 साल तक चला। अंत में सबूतों की कमी और गवाहों के पलटने से आरोपियों को क्लीन चिट मिल गई।

17 जुलाई 2013 को गुरुग्राम के पुलिस लाइंस परेड ग्राउंड में 28 साल की गीतांजलि गर्ग का शव मिला था। उनके शरीर पर चार गोली के घाव थे और पास में रवनीत गर्ग का लाइसेंसी रिवॉल्वर पड़ा था। रवनीत उस समय जुडिशियल मजिस्ट्रेट थे, इसलिए मामला काफी चर्चा में आया। शुरुआत में स्थानीय पुलिस ने इसे आत्महत्या माना, लेकिन हरियाणा सरकार के आदेश पर अगस्त 2013 में जांच सीबीआई को सौंप दी गई।

2016 में सीबीआई ने चार्जशीट दाखिल की। हत्या का आरोप हटाकर दहेज मौत, क्रूरता और साजिश के सेक्शन लगाए गए। आरोप था कि गर्ग परिवार ने गीतांजलि को दहेज के लिए प्रताड़ित किया। हालांकि ट्रायल के दौरान केस कमजोर पड़ गया।

मामले में सबसे बड़ा झटका तब लगा जब गीतांजलि के भाई और मुख्य शिकायतकर्ता प्रदीप अग्रवाल गवाह बनकर दुश्मन हो गए। जुलाई 2018 में उन्होंने अदालत में कहा कि रवनीत ने कभी गीतांजलि के साथ बदसलूकी नहीं की और न ही दहेज में कार या फ्लैट की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि मौत के लिए आरोपियों की जिम्मेदारी साबित नहीं हुई। इस बयान से सीबीआई का केस काफी कमजोर हो गया। बचाव पक्ष के वकीलों ने तर्क दिया कि शादी में कोई झगड़ा या क्रूरता नहीं थी। गीतांजलि ने मौत वाले दिन परिवार से सामान्य बात की थी और कोई शिकायत नहीं की। सबसे महत्वपूर्ण, रवनीत उस समय पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की अध्यक्षता में 18 अन्य जजों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस में थे। उनका एलीबाई पूरी तरह साबित हुआ। सीबीआई ने रवनीत पर पॉलीग्राफ और ब्रेन मैपिंग टेस्ट किए, लेकिन नतीजे स्पष्ट नहीं आए। दहेज की मांगों के आरोप भी कोर्ट में नहीं टिक पाए। रवनीत को 2016 में गिरफ्तार किया गया था। वे करीब दो साल जेल में रहे और 2018 में बेल मिली। अब बरी होने के बावजूद उनकी नौकरी से सस्पेंशन बना हुआ है।

अब बीज विधेयक पर कन्फ्यूजन? किसानों के पारंपरिक बीजों पर लागू होगा या नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार बीज विधेयक लाने पर विचार कर रही है। इस बावत कई तरह के कन्फ्यूजन सामने आने लगे हैं। इसी बीच केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने आज (मंगलवार, 16 दिसंबर को) लोकसभा को बताया कि प्रस्तावित 'राष्ट्रीय बीज विधेयक-2025' किसानों और उनकी पारंपरिक बीज किस्मों पर लागू नहीं होगा। उन्होंने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि इसमें ऐसे प्रावधान किए गए हैं जो किसानों के अपने खेत में बचाए गए बीजों को सुरक्षित रखने, उनका आदान-प्रदान करने और उन्हें बेचने के अधिकारों की रक्षा करते हैं। रामनाथ ठाकुर ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप किसान संगठनों सहित विभिन्न हितधारकों से परामर्श करने के बाद इस कानून का मसौदा तैयार किया है। ठाकुर ने कहा, ''विधेयक के प्रावधान किसानों और इनके द्वारा विकसित किस्मों पर लागू नहीं होते हैं, जिनमें पारंपरिक किस्में भी शामिल हैं। यह विधेयक पादप किस्मों के संरक्षण और किसान अधिकार अधिनियम, 2001 के अनुरूप किसानों के अधिकारों की रक्षा करता है, जिसके तहत उन्हें संरक्षित बीजों को उगाने, बोने, सहेजने, आदान-प्रदान करने और बेचने का अधिकार है।'' उन्होंने कहा कि जैव विविधता अधिनियम, 2002 और पादप किस्मों के संरक्षण और किसान अधिकार अधिनियम, 2001 के तहत विभिन्न प्रावधान किसानों, सामुदायिक बीज उत्पादकों और पारंपरिक एवं स्वदेशी बीज किस्मों की सुरक्षा के लिए भी उपलब्ध हैं। मंत्री ने कहा कि विधेयक में बाजार में बेची जाने वाली सभी किस्मों के अनिवार्य पंजीकरण, बीज उत्पादकों, बीज प्रसंस्करण इकाइयों और विक्रेताओं के पंजीकरण तथा पौध नर्सरियों के पंजीकरण के प्रावधान हैं।

पलूशन के बीच काल बन रहे ये तीन तरह के कैंसर

सरकार की रिपोर्ट डराने वाली

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में पलूशन के बीच स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट डरा रही है। मंगलवार को एक लिखित जवाब में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 2023 से 2025 के बीच के डेटा को साझा किया है। दिल्ली में ओरल कैंसर (मुंह के कैंसर) के मामलों में साल-दर-साल सबसे तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो 5.1% बढ़ी है। वहीं, फेफड़ों के कैंसर के रिपोर्ट किए गए मामलों में भी 4.9% की वृद्धि हुई है।

महिलाओं में फेफड़ों के कैंसर के मामलों में सबसे अधिक वृद्धि देखी गई। यह 6.5% बढ़कर 2025 में 686 मामले हो गए, जो 2024 में 644 और 2023 में 604 थे। पुरुषों में ओरल कैंसर के मामलों में सबसे बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह 5.8% बढ़कर 2025 में 2,717 मामले हो गए, जबकि 2024 में 2,569 और 2023 में 2,429 मामले थे। संख्या के हिसाब से देखें तो राजधानी दिल्ली में स्तन कैंसर सबसे आम कैंसर बना रहा। ओरल कैंसर कुल मिलाकर दूसरा सबसे आम प्रकार का कैंसर बन गया, जिसमें पुरुषों और महिलाओं दोनों के कुल मामले 2025 में 3,208 तक पहुंच गए।

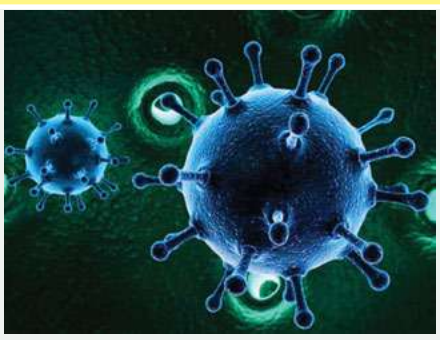

यह दोनों वर्षों में लगभग 3.4% की साल-दर-साल गिरावट को दर्शाता है। पुरुषों में, ओरल कैंसर में सबसे अधिक वृद्धि देखी गई, जिसके बाद फेफड़ों के कैंसर में भी वृद्धि हुई, जो 2023 में 1,668 मामलों से बढ़कर 2025 में 1,814 हो गए। प्रोस्टेट कैंसर के मामलों में भी लगातार वृद्धि का रुझान दिखा, जिसके रिपोर्ट किए गए मामले 2023 में 1,168 से बढ़कर 2025 में 1,301 हो गए। स्वास्थ्य मंत्रालय ने दिल्ली में कैंसर की अपेक्षाकृत उच्च आयु-समायोजित घटना दर पर भी प्रकाश डाला। 2015-2019 की अवधि के दौरान, दिल्ली में पुरुषों के लिए प्रति एक लाख जनसंख्या पर 146.7 और महिलाओं के लिए 132.5 की.ढ्रक दर्ज की गई थी। यह दर मुंबई, कोलकाता, पुणे और अहमदाबाद जैसे शहरों की तुलना में अधिक थी।.ढ्रक अलग-अलग आयु संरचना वाली आबादी में कैंसर की घटना को मानकीकृत करता है, जिससे क्षेत्रों की सार्थक तुलना करना संभव हो जाता है। यह सुनिश्चित करने के लिए, यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि दिल्ली में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान और राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र जैसे बड़े तृतीयक देखभाल केंद्र मौजूद हैं। इन केंद्रों की उपस्थिति के कारण, दिल्ली में पूरे उत्तर भारत और देश के अन्य हिस्सों से कैंसर के मरीजों का एक बड़ा प्रवाह आता है, जिससे शहर में उपचार का बोझ और भी बढ़ जाता है।

दिल्ली-एनसीआर की आबोहवा खराब, लोगों की सांसों पर संकट!

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में जहरीली हवा का संकट बरकरार है। हालांकि कल से प्रदूषण में थोड़ा सुधार हुआ है, लेकिन हवा का स्तर अभी भी बेहद खराब बना हुआ है। कुछ जगहों पर एक्यूआई अभी भी 350 से ज्यादा पर दर्ज किया जा रहा है। सुबह से ही दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में कोहरे के साथ धुंध की चादर छाई हुई है। वहीं कल भी राजधानी का औसत एक्यूआई गंभीर से बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गया था।

हवा की गति बढ़ने और सुबह स्मॉग में कमी होने के कारण प्रदूषण के स्तर में कमी दर्ज की गई। मंगलवार को दिल्ली के लगभग सभी केंद्रों पर प्रदूषण का स्तर बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। सोमवार को राजधानी का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 427 दर्ज किया गया था। मंगलवार को इसमें कमी आई और यह 354 अंक पर पहुंच गया। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक सोमवार की अपेक्षा मंगलवार को बीते 24 घंटे के अंदर वायु गुणवत्ता सूचकांक में 73 अंकों का सुधार दर्ज किया गया। राजधानी में मंगलवार को कई स्थानों पर 10 किलो मीटर प्रति घंटा की रफ्तार तक उत्तर पश्चिमी हवा चलने के कारण प्रदूषण में गिरावट आई। सीपीसीबी के मुताबिक हवा में पीएम 10 का स्तर 100 और पीएम 2.5 का स्तर 60 से कम होने पर ही उसे स्वास्थ्यकारी माना जाता है। दिल्ली-एनसीआर की हवा में मंगलवार दिन में तीन बजे पीएम 10 का औसत स्तर 276 और पीएम 2.5 का औसत स्तर 167 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर पर रहा। यानी दिल्ली-एनसीआर की हवा में प्रदूषक कणों का स्तर अभी मानकों से लगभग दो गुना से अधिक दर्ज किया गया। वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली का अनुमान है कि अगले दो दिनों के बीच हवा के रफ्तार में थोड़ी तेजी आएगी। खासतौर पर दिन के समय हवा की रफ्तार दस किलोमीटर प्रति घंटे से तेज होगी और दिन में धूप निकलेगी। इससे प्रदूषक कणों का विसर्जन भी तेज होगा। इससे प्रदूषण के स्तर में हल्का सुधार होने के आसार हैं।

मोजांबिक के राष्ट्रपति से मिली जॉर्जिया मेलोनी; हाइट में अंतर वाली तस्वीर वायरल

रोम, एजेंसी। इटली प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की मोजांबिक के राष्ट्रपति डेनियल फ्रांसिस्को चापो से पिछले हफ्ते रोम में हुई मुलाकात सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच हाइट के बड़े अंतर ने सबका ध्यान खींच लिया। मेलोनी राष्ट्रपति चापो से मिलने आगे बढ़ीं तो ऊपर देखकर थोड़ा हैरान हो गईं, फिर शरमाते हुए मुस्कुराईं और फोटो खिंचवाने के लिए पोज किया। 48 साल के राष्ट्रपति चापो की लंबाई करीब 6 फुट 8 इंच है, जबकि मेलोनी की लंबाई करीब 5 फुट 2 इंच है। इस बड़े अंतर की वजह से फोटोग्राफर्स को दोनों को एक ही फ्रेम में कैद करने में काफी मुश्किल हुई, कई फोटोग्राफर्स झुक गए, तो कुछ जमीन पर लेटकर तस्वीरें लेने लगे। राष्ट्रपति चापो बास्केटबॉल के शौकीन हैं और पहले भी अन्य विश्व नेताओं के साथ तस्वीरों में अपनी लंबाई की वजह से चर्चा में रह चुके हैं। यह बैठक मोजांबिक की आजादी की 50वीं वर्षगांठ और दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर हुई। दोनों नेताओं ने ऊर्जा, व्यापार और विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग पर बात की। इस प्लान में ऊर्जा तक पहुंच, सतत कृषि, व्यावसायिक प्रशिक्षण, डिजिटलीकरण और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने जैसे कई संयुक्त प्रोजेक्ट शामिल हैं।

'ड्रग्स लेते थे मस्क, हर घटना के पीछे साजिश देखते हैं वेंस'

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। व्हाइट हाउस की वरिष्ठ अधिकारी सूसी वाइल्स ने एक पत्रिका को दिए इंटरव्यू में चौंकाने वाले खुलासे किए। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीब लोगों के बारे में स्पष्ट और आलोचनात्मक टिप्पणियां कीं। उन्होंने यह भी कहा कि टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क केटामाइन (ड्रग) का सेवन करते थे।

उन्होंने उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को 'बिना सबूतों के हर बड़ी घटना के पीछे गोपनीय साजिश मानने वाला व्यक्ति' और बजट प्रमुख रस वॉट को 'कट्टर दक्षिणपंथी' बताया। उन्होंने जेफरी एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों को संभालने के तरीके को लेकर अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी की भी आलोचना की।

इस इंटरव्यू के सामने आने के व्हाइट हाउस ने उनके बयानों को ज्यादा गंभीरता से नहीं लिया। हालांकि, सूसी वाइल्स ने सोशल मीडिया पर लिखा कि इस खबर में जरूरी संदर्भों को नजरअंदाज किया गया और इसे जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया गया।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने सूसी वाइल्स का समर्थन करते हुए कहा कि ट्रंप के पास सूसी से बड़ा या उनसे ज्यादा वफादार सलाहकार कोई नहीं है। लीविट ने एक्स पर कहा, 'पूरा प्रशासन उनके स्थिर नेतृत्व के लिए आभारी है और पूरी तरह उनके साथ खड़ा है।' लेकिन यह इंटरव्यू फिर से राष्ट्रपति और उनकी नीतियों पर सवाल खड़े कर सकता है और पुराने मतभेद, खासकर मस्क के साथ फिर से टकराव पैदा कर सकता है। वाइल्स ने मस्क के बारे में कहा, वह पूरी तरह अकेले काम करने वाले व्यक्ति हैं। एलन के साथ चुनौती यह है कि उनकी गति के साथ कदम मिलाना मुश्किल है। जब उनसे पूछा गया कि मस्क ने एक्स पर जो पोस्ट शेयर की थी, जिसमें कहा गया था कि सरकारी कर्मचारी एडॉल्फ हिटलर, जोसेफ स्टालिन और माओ जेदोंग के समय लाखों मौतों के लिए जिम्मेदार थे, इसके बारे में उनका क्या विचार है, तो वाइल्स ने कहा, मुझे लगता है उस समय वह हल्का ड्रग (माइक्रोडोजिंग) का इस्तेमाल कर रहे थे। हालांकि, वाइल्स ने माना कि उन्हें मस्क के ड्रग इस्तेमाल की प्रत्यक्ष जानकारी नहीं है।

मस्क और टेस्ला के प्रतिनिधियों ने इस बारे में तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

वाणी की माधुरता तथा संचार की दक्षता का केंद्र है विशुद्धि चक्र

पाँचवाँ चक्र विशुद्धि चक्र के नाम से जाना जाता है। मनुष्य की गर्दन में इसकी रचना है, इसमें सोलह पंखुड़ियाँ होती है जो कान, नाक, गला जिव्हा तथा दाँतो आदि की देखभाल करती है। दूसरों से सम्पर्क स्थापित करने का दायित्व भी इसी चक्र का है क्योंकि अपनी आँखें, नाक, कान, वाणी तथा हाथों के द्वारा हम दूसरों से सम्पर्क करते हैं। शारीरिक स्तर पर यह चक्र ग्रीवा केन्द्र के लिये कार्य करता है। (सहजयोग) विशुद्धि चक्र के नियंत्रक देवता श्री कृष्ण, श्री राधा तथा श्री विष्णु माया हैं। इनकी जागृति हमें माधुर्य, साक्षी स्वरूप तथा सत्य के प्रति सजगता का भाव प्रदान करती है।

विशुद्धि उन गुणों को दर्शाती है जो दूसरों के साथ हमारे संचार को नियंत्रित करते हैं। जैसे-जैसे यह जागृत होता है, हम अधिक आत्म-सम्मान (बाएं विशुद्धि) और दूसरों के लिए अधिक सम्मान (दाएं विशुद्धि) पाते हैं। प्रशंसा से हमारा अहंकार फलता नहीं है और हम आक्रामकता या आलोचना से परेशान नहीं होते। विशुद्धि चक्र ही वह चक्र है जो साक्षी होने की शक्ति को प्रकट करता है। सहज ध्यान के दैनिक अभ्यास से हम अपनी आत्मा के साथ एकाकार हो जाते हैं। अपनी आत्मा के साथ एकता की इस अवस्था में हम अपने शरीर, अपने मन, अपने विचारों, अपनी भावनाओं और अंततः अपने जीवन के नाटक के साक्षी बन जाते हैं।

विशुद्धि चक्र के लाभ

यह हमें संवाद करने की अनुमति देता है आकर्षक व्यक्तित्व निर्माण होता है पांचों इंद्रियों को सक्षम बनाता है, हंसा चक्र को नियंत्रित करता है इस चक्र के द्वारा एकता का अनुभव होता है।

विशुद्धि चक्र में असंतुलन से व्यक्ति में सामूहिकता की भावना में कमी आती है गले से संबंधित रोग, फ्लू, आवाज़ का खो जाना अवसाद, सरवाइकल कैंसर, पाँच इंद्रियों की समस्याएँ, स्पांडिलाटिस, एंजाइना आदि की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।इस चक्र की पुष्टि के लिए गुनगुने पानी व नमक के गरारे करना, अजवायन और तुलसी का प्रयोग करना, मुंह, दांत तथा जीभ की प्रतिदिन सफाई करना,

कुछ मात्रा में मक्खन का प्रयोग करना आदि उपाय करने चाहिए। साथ ही दूसरों से मीठा बोलने का गुण विकसित करें। खाने के स्वाद पर कम ध्यान दें। सहजयोग में नियमित ध्यान के साथ श्री माताजी के समक्ष प्रार्थना करने से भी हमारा विशुद्धि चक्र सुदृढ़ व संतुलित होता है। मां के समक्ष विनती करें, "माँ, मैं बिल्कुल भी दोषी नहीं हूँ।" "माँ, मुझे साक्षी बनाओ, कृपया मुझे समग्र का हिस्सा बनाओ।" "माँ, कृपया मेरी सारी आक्रामकता और प्रभुत्व को दूर भगाओ।" "माँ, मुझे एक मधुर आवाज़ दो, और मुझे एक मधुर सामूहिक व्यक्ति बनाओ। सभी को माफ़ करो और अपने गुस्से को शांत करो। लोगों के साथ बहस मत करो या लोगों को अपने दृष्टिकोण के बारे में समझाने में बहुत समय बर्बाद मत करो। सहज योग निशुल्क भी है और आसान भी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

गैस सिलेंडरों के क्रय-विक्रय, भण्डारण करने वालों के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई

अवैध रूप से संग्रहित बड़ी संख्या में गैस सिलेंडर किये गये जप्त

इंदौर । सार्वजनिक सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए अवैध रूप से गैस सिलेंडरों के क्रय-विक्रय, भण्डारण, परिवहन तथा उपयोग करने वालों के विरूद्ध कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के तहत आज सांवेर क्षेत्र में दो स्थानों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से संग्रहित बड़ी संख्या में गैस सिलेंडर जप्त किये गये।

जिले के ग्राम सोलसिंदा तहसील सांवेर में अवैधानिक रूप से एलपीजी गैस सिलेण्डरों के भण्डारण की सूचना प्राप्त होने पर एसडीएम सांवेर श्री घनश्याम धनगर के मार्गदर्शन पर तसीलदार श्रीमती पूनम तोमर द्वारा मय पुलिस बल के जांच की गई। जिसमें ग्राम सोलसिंदा की भूमि सर्वे नम्बर 330/2/1 जो कि रियाजुलहसन पिता रईसउल हसन के खेत में निर्मित टीन शेड में घरेलु गैस के 22 एलपीजी सिलेण्डर रखे हुए पाए गए। उक्त जांच में पाया गया कि जय श्री महाकाल गैस चुल्हा सेल्स एण्ड सर्विस के प्रोप्रायटर विनोद जायसवाल पिता मोहनलाल जायसवाल द्वारा उक्त गैस सिलेण्डर का भण्डारण किया गया है। प्रोपराइटर से उक्त गैस सिलेण्डर के स्टॉक के संबंध में सक्षम अनुमति मांगे जाने पर प्रोप्रायटर द्वारा सक्षम अनुमति/अनुज्ञा प्रस्तुत नहीं की गई। जिसके पश्चात सभी गैस सिलेण्डरों को जप्त कर इण्डेन एवं एचपी की टंकियों की गैस एजेन्सी मॉ तुलजा गैस एजेन्सी धरमपुरी के सुपुर्द किया गया। साथ ही ग्राम सोलसिंदा में जय श्री महाकाल गैस चुल्हा सेल्स एण्ड सर्विस

के प्रोप्रायटर विनोद जायसवाल पिता मोहनलाल जायसवाल की दुकान का औचक निरीक्षण भी किया गया। जिसमें घरेलु गैस टंकी 27 एवं व्यवसायिक सिलेण्डर 03 खाली पाई गई। प्रोप्राइटर से उक्त संबंध में सक्षम अनुमति मांगे जाने पर उनके द्वारा कोई सक्षम अनुमति प्रस्तुत नहीं की गई। जिसके पश्चात उक्त गैस सिलेण्डरों को जप्त कर इण्डेन एवं एचपी की टंकियों की गैस एजेन्सी मॉ तुलजा गैस एजेन्सी धरमपुरी के सुपुर्द किया गया।

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

रणजीत टाइम्स न्यूज़ कार्यालय में सह संपादक दीपक वाडेकर जी का जन्मदिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

इंदौर। रणजीत टाइम्स न्यूज़ कार्यालय में सह संपादक श्री दीपक वाडेकर जी का जन्मदिवस बड़े ही धूमधाम, उत्साह और आत्मीय माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर कार्यालय में शुभकामनाओं का तांता लगा रहा और सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जन्मदिवस कार्यक्रम में विशेष रूप से राजेश धाकड़, नितिन बामदले, बंटी सिसोदिया, शैलेश वर्मा, अमित वर्मा, सुमित जी सहित रणजीत टाइम्स परिवार के कई सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने दीपक वाडेकर जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर, केक काटकर और आत्मीय शब्दों में शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर रणजीत टाइम्स के प्रधान संपादक श्री गोपाल गावंडे जी ने दीपक वाडेकर जी को जन्मदिवस

की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि "दीपक वाडेकर जी का पत्रकारिता के क्षेत्र में योगदान सराहनीय है। उनकी मेहनत, निष्ठा और सकारात्मक सोच रणजीत टाइम्स परिवार के लिए प्रेरणास्रोत है। हम उनके दीर्घायु और निरंतर प्रगति की कामना करते हैं।" कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी साझा की और रणजीत टाइम्स परिवार की एकजुटता को दर्शाया।

विश्व ध्यान दिवस

सहजयोग निःशुल्क ध्यान शिविर

(FREE SAHAJA YOGA MEDITATION CAMP)

आज की तनावपूर्ण जीवनशैली में, शांत मन, स्वस्थ शरीर और संतुलित जीवन
का सहज और सरल मार्ग - सहजयोग ध्यान

दिनांकः 21 दिसंबर 2025, रविवार
समयः प्रातः 8:00 बजे से 9:00 बजे तक
स्थानः बोलिया सरकार की छत्री, हीरा लस्सी के पास, एम.जी. रोड, इंदौर

सहजयोग ध्यान के लाभः

- मानसिक तनाव से मुक्ति
- आंतरिक शांति और सकारात्मकता
- एकाग्रता एवं आत्मविश्वास में वृद्धि
- स्वस्थ और संतुलित जीवन

आइए, विश्व ध्यान दिवस पर अपने भीतर की शांति को अनुभव करें,
और सहजयोग ध्यान के माध्यम से स्वयं से जुड़े भी, स्वयं को जाने भी

प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क | बिना किसी पूर्व अभ्यास के
सभी आयु वर्ग आमंत्रित है

आयोजकः सहजयोग समिति, इंदौर
फ़ोन नंबर : 9827024905, 9827666663